UDAIPUR CHAMBER OF COMMERCE & INDUSTRY

(Apex body of Trade, Industry, Mining, Education & Tourism of Southern Rajasthan)

UCCI e-News Letter

09.10.2017

Upgradation of Skills | Capacity Building | Communication | Infrastructure Development

9001, 14001 & 18001

प्लेसमेन्ट के बजाय उद्यमिता को अपनायें युवा – श्री हंसराज चौधरी

जीएसटी लेखांकन एवं एमएस एक्सेल पर कार्यशाला का उद्घाटन – 9 अक्टूबर 2017

"स्टूडेंट्स नौकरी तलाशने अथवा बड़े प्लेसमेन्ट प्राप्त करने की चूहा दौड़ में शामिल होने के बजाय स्वयं का उपक्रम स्थापित करने का प्रयास करें। स्वरोजगार अपनाकर वे अन्य कई व्यक्तियों को भी रोजगार उपलब्ध करवा सकते है।"

उपरोक्त विचार यूसीसीआई के अध्यक्ष श्री हंसराज चौधरी ने वाणिज्य महाविद्यालय में कॉमर्स स्टूडेंट्स को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के लेखांकन एवं सांख्यिकी विभाग, बी.वॉक. (लेखांकन, कर तथा अंकेक्षण) तथा उदयपुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री के संयुक्त तत्वावधान में जी एस टी लेखांकन एवं एम एस ऐक्सेल पर कार्यशाला का उद्घाटन समारोह वाणिज्य महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में आयोजित किया गया।

अतिथियों का स्वागत करते हुए बी.वॉक.(लेखांकन, कर तथा अंकेक्षण) के कन्वीनर प्रो. शूरवीर एस. भाणावत ने कहा कि वोकेशनल कोर्सेज का संचालन आज के समय में उद्योग एवं व्यवसाय जगत की सबसे बडी आवश्यकता है। उद्योग और शैक्षणिक संस्थाओं के मध्य समन्वय स्थापित करने से ही स्किल इंडिया जैसे कार्यक्रम की सफलता निर्भर करेगी। सरकार भी इसके महत्व को समझती है क्योकि 65 प्रतिशत जनसंख्या 59 वर्ष से कम आयु की है। अतः 2015 में एक पृथक कौशल विकास मंत्रालय खोला गया। इसी के तहत प्रो. भाणावत ने बताया कि सुखाडिया विश्वविद्यालय में भी बी.वॉक कार्यक्रम आरम्भ किया है जो पूर्णतया प्रैक्टिकल पर आधारित है।

समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व अध्यक्ष श्री के.एस. मोगरा ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह स्वर्णिम अवसर है कि अपने सदस्यों के माध्यम से 47000 करोड़ रुपये के औद्योगिक एवं व्यावसायिक निवेश का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था यूसीसीआई के साथ सुखाडिया विश्वविद्यालय सम्बन्ध स्थापित करने जा रहा है। यह समन्वय विद्यार्थियों के लिये रोजगार के नये अवसर सृजित करेगा और जिससे शैक्षणिक संस्थान और उद्योगों के बीच की दूरी समाप्त होगी।

अध्यक्ष श्री हंसराज चौधरी ने अपने सम्बोधन में युवा विद्यार्थियों को सुझाव दिया कि कि नौकरी की लालसा छोडकर लगन के साथ स्वयं का उपक्रम शुरू करने का प्रयास करें। श्री चौधरी ने कहा कि स्वयं का उपक्रम स्थापित कर वे अन्य कई व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध करा सकते है। इस प्रकार वे स्वयं भी कॉरपोरेट जगत की चूहा दौड़ से स्वतंत्र हो सकते है।

समारोह के अतिथि प्रो. विजय श्रीमाली, विभागाध्यक्ष, व्यावसायिक प्रशासन विभाग ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि आज की कार्यशाला विद्यार्थियों के लिये सम–सामयिक विषयों पर प्रेरणा प्रदान करने का कार्य करेगी।

प्रो. जी. सोरल, डीन, वाणिज्य एवं प्रबन्ध अध्ययन महाविद्यालय ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय का पाठ्यक्रम विकसित करने में उद्योगों की आवश्यकताओं को पूर्ण रूप से ध्यान रखा जायेगा। वर्तमान बी.वॉक. कोर्स इन मापदण्डों को पूरा करता है।

समारोह का संचालन टीचिंग कन्सलटेन्ट सीए हेमन्त कडूणिया ने किया। इस अवसर पर डॉ. शिल्पा वर्डिया भी उपस्थित थी। अन्त में विजिटिंग फैकल्टी प्रियंका आमेटा ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।